कक्षा–दस
सूरदास के पद

आशा बली

सूरदास

आशा बली

परिचय

- भक्तिकाल के अष्टछापी कवियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध कवि
- वात्सल्य एवं श्रृंगार के श्रेष्ठ कवि
- प्रसिद्ध कृष्णभक्त कवि

रचनायें

- सूरसागर
- साहित्यलहरी
- सूरसारावली

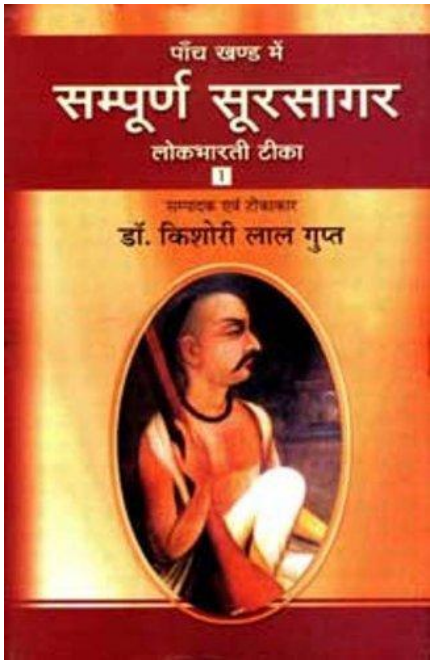

विषय वस्तु

- सूरसागर के 'भ्रमरगीत' के पदों का पठन
- कविता की विशेषतायें
- भ्रमरगीत काव्य क्या है?
- अलंकार
- रस
- छंद
- भाषा

अक्रूर के साथ मथुरा जाते कृष्ण

आशा बली

कृष्ण के विरह में गोपियों की दशा

आशा बली

उद्धव और विरहणी गोपियाँ

आशा बली

कृष्ण ने.....

- मथुरा से उद्धव द्वारा गोपियों के लिये संदेश भेजा।
- संदेश द्वारा गोपियों की विरह वेदना को शांत करने का प्रयास।
- यह संदेश निर्गुण ब्रह्म एवं योग का उपदेश था।
- गोपियों ने उद्धव के संदेश को पसंद नहीं किया।
- गोपियों ने ज्ञान मार्ग की अपेक्षा प्रेम मार्ग को पसंद किया।
- ज्ञान का संदेश उन्हें शुष्क लगा।
- वे कृष्ण से प्रेम करती थीं।

उसी समय.....

- एक काला भौंरा उड़ता हुआ आ पहुँचा, उनके पास.....
- गोपियों ने कृष्ण के बहाने उद्धव पर व्यंग्यबाण छोड़े और कृष्ण को 'भ्रमर' शब्द से संबोधित किया।
- यहीं से आरम्भ हुआ.....

भ्रमरगीत

आशा बली

भ्रमर

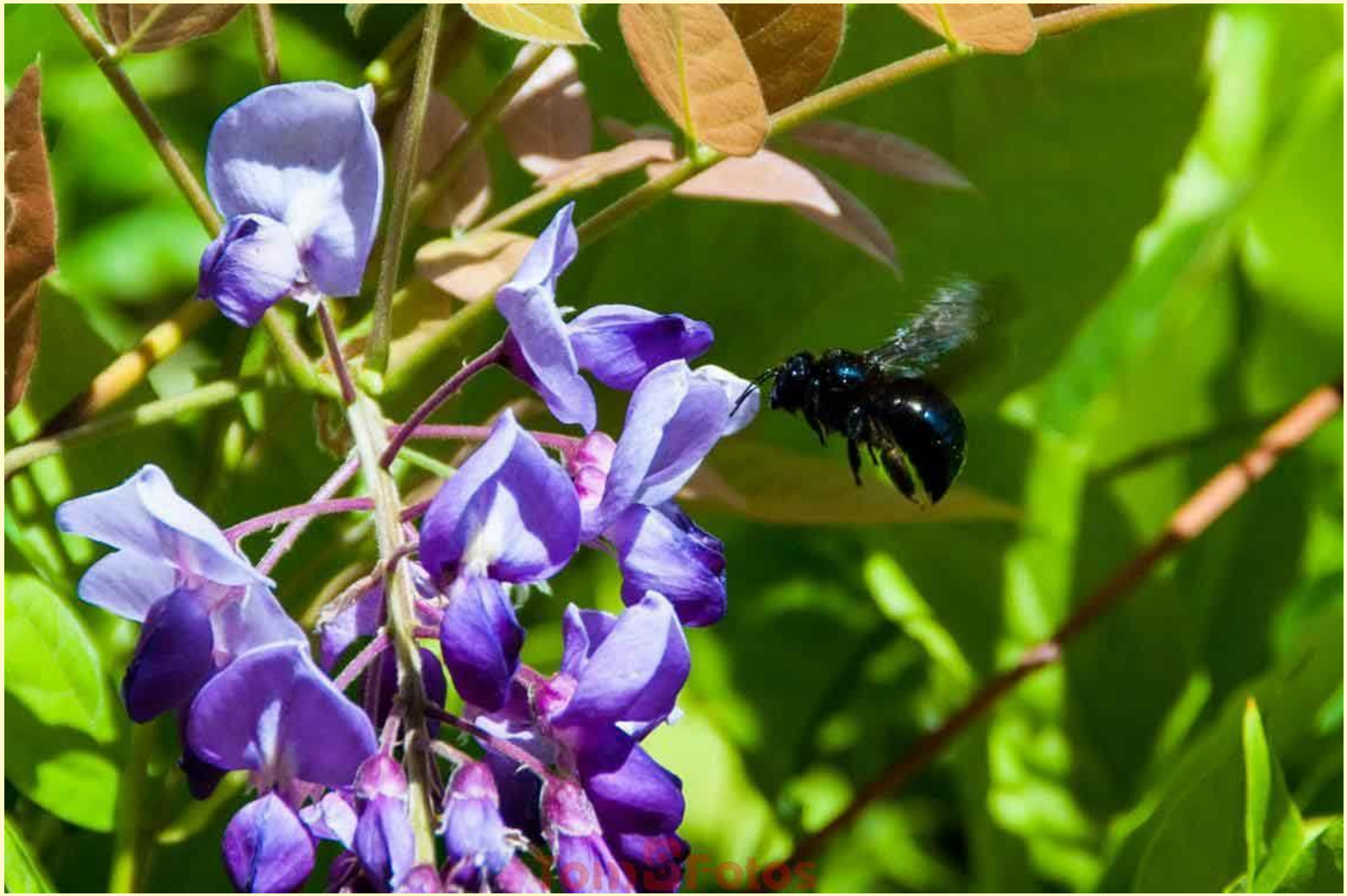

आशा बली

कविता की विशेषतायें

- प्रतीकात्मक रूप में उद्धव के निर्गुण निराकार ब्रह्म पर कृष्ण की सगुण भक्ति की प्रतिष्ठा।
- गोपियों की 'वाग्विदग्धता' अर्थात वाक् चातुर्य (वचन वक्रता)
- कृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम, उपालम्भ, व्याकुलता, खीझ, क्रोध आदि भाव
- ब्रज भाषा का माधुर्य (निखरा रूप)
- श्रृंगार रस (वियोग) दर्शनीय
- मुक्तक पद शैली (तुकांत)
- उपमा, रूपक, अनुप्रास, उत्प्रेक्षा आदि अलंकारों का प्रयोग
- लय व ताल में गाये जाने योग्य पद

निष्कर्ष

- उद्धव कृष्ण के स्नेह के धागे से नहीं बँधे, इसी लिये विरह की वेदना को अनुभूत नहीं कर सके
- गोपियों के मन की अभिलाषायें मन में ही रह गयीं
- उद्धव की योग साधना कड़वी ककड़ी के समान
- गोपियों का एकनिष्ठ प्रेम में विश्वास (प्रेम की एकनिष्ठता), कृष्ण हारिल की लकड़ी
- उद्धव को राज धर्म (प्रजा का हित) याद दिलाया जाना सूरदास की लोकधर्मिता

भ्रमरगीत की विशेषतायें

- गोपियों के प्रेम की अनन्यता, एकनिष्ठता
- वाक्चातुर्य, वाग्विद्ग्धता, वचनवक्रता, तार्किकता, व्यंग्य, कृष्ण प्रेम
- उपालम्भ, व्याकुलता, खीझ, क्रोध आदि भाव
- प्रेम मार्ग और ज्ञान मार्ग की तुलना
- निर्गुण भक्ति पर सगुण भक्ति की प्रतिष्ठा
- वियोग श्रृंगार रस युक्त पद

कक्षाकार्य (रचनात्मक लेखन)

- उद्धव व गोपियों की बातचीत को लघुनाटिका में बदलना

गृहकार्य

- पदों के अर्थ को ध्यान से दोहराना
- पदों से सम्बन्धित बोध प्रश्नों के उत्तर लिखना

आशा बली

धन्यवाद !

आशा बली